रक्षा लेखा महानियंत्रक का संदेश

देश के संपूर्ण विस्तार में फैले रक्षा लेखा विभाग के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं और धन्यवाद!

आपके बधाई संदेशों ने जहां एक ओर मुझे अभिभूत किया है वहीं मुझे सौंपी गई महती जिम्मेदारी को रेखांकित भी किया है। मैं आशा करती हूँ कि विभाग की जो बागडोर मुझे सौंपी गई है, उस कार्य को पूरा करने में मुझे आप सबका सहर्ष सहयोग प्राप्त होगा।

जैसा कि हम सब जानते हैं हमारा विभाग देश के रक्षा प्रबंधन की एक अहम कड़ी है और इस प्रबंधन के दौरान हमारे समक्ष कई चुनौतियाँ आईं हैं और आती भी रहेंगी। आवश्यकता है कि एक विभाग के तौर पर हम इन चुनौतियों के लिए तैयार और तत्पर रहें, यह समझें कि विभाग की सफलता केवल एक व्यक्ति की दिशा - निर्देशन से नहीं बल्कि सभी के संचित परिश्रम का परिणाम होती है।

ज़रूरी नहीं कि हमारा किया हर काम तात्कालिक प्रभाव लाए पर यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जैसे, “बूंद - बूंद से घट भरे, टपकै रीतै सोई” ; तो छोटा सा लगने वाला काम भी विभाग को बल देता है और हमारी छोटी सी निष्क्रियता, हल्की सी अनदेखी संचित होकर बड़ी परेशानी का रूप धारण कर लेती है।

"स्पर्श" जैसा बृहद प्रोजेक्ट हो या कोई भी नया प्रोजेक्ट, हम सब अगर शांत और सौम्य परंतु दृढ़ इच्छा शक्ति से अगर निरंतर अपना कार्य निपटाते रहेंगे तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं रहेगी। आवश्यकता है स्वयं के नित्य परिष्कार की। हमें भुगतान, लेखा परीक्षा, लेखांकन, वित्तीय सलाह सभी क्षेत्रों पर बराबर रूप से ध्यान देने की जरूरत है और अपनी हर भूमिका को गम्भीरता से लेते हुए रक्षा सेवाओं के साथ निरंतर सकारात्मक संवाद बनाए रखना है।

हमें एकजुट होकर एक टीम की तरह सौहार्दपूर्ण इकोसिस्टम में काम करके विभाग की कार्य कुशलता बढ़ानी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सब अपनी कर्मठता और लगन से अपने विभाग रूपी वृक्ष को सींचेंगे। मेरा यह मानना है कि विभाग का हर अधिकारी, हर कार्मिक अपने हर काम से विभाग को गति और ऊर्जा प्रदान करता है।

सब की गतिशीलता और ओजस्विता की मंगलकामना करते हुए मैं अपने सभी सहयोगियों से सहयोग का आह्वान करती हूँ और उनके द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं के लिए पुनः धन्यवाद देती हूँ।

जय हिंद !

देविका

(देविका रघुवंशी)

रक्षा लेखा महानियंत्रक

दिनांक : 05.07.2024